भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 408**

22 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

**विषय: राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली**

**408. श्री रमासहायम रघुराम रेड्डी:**

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हाल ही में शुरू की गई राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (एनपीएसएस) से किसानों की कीटनाशक विक्रेताओं पर निर्भरता कम करने में क्या असर पड़ेगा और यह प्रणाली किसानों को किस प्रकार लाभ पहुंचाएगी;

(ख) यह प्रणाली, खासकर तेलंगाना के किसानों के लिए, की बीमारियों की सही पहचान और उसका इलाज सुनिश्चित करके कृषि उत्पादन बढ़ाने और मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखने में किस प्रकार मदद करेगी;

(ग) तेलंगाना में किसानों को एआई आधारित एनपीएसएम प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने की जानकारी और प्रशिक्षण देने के लिए कौन-कौन से विशिष्ट कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या इस प्लेटफॉर्म को अधिक से अधिक किसान अपनाएं, इसके लिए तेलंगाना में स्थानीय भाषा में क्षेत्र के अनुसार सामग्री और सहायता तैयार करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री राम नाथ ठाकुर)**

**(क) से (घ):** देश भर में कीट जनित रोगों की निगरानी और प्रबंधन को बढ़ाने के लिए माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री द्वारा 15 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (एनपीएसएस) का शुभारंभ किया गया है। यह प्रणाली कीटों और रोगों की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई और एमएल) जैसी नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करती है और तेलंगाना राज्य सहित सभी राज्यों के किसानों को रियल टाइम पर फसल सुरक्षा संबंधी सलाह प्रदान करती है। राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली में 65 फसलों में कीटों और रोगों की पहचान के लिए एक यूजर-फ्रेंडली मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल शामिल है और 31 प्रमुख फसलों - कपास, चावल, मक्का, मिर्च, गेहूं, सोयाबीन, गन्ना, अरहर, मटर, चना, सेब, अंगूर, केला, अनार, टमाटर, बैंगन, करेला, लौकी, पत्तागोभी, फूलगोभी, खीरा, अदरक, किन्नू, आम, भिंडी, प्याज, संतरा, पपीता, आलू, चीकू, मीठा संतरा, काजू - के लिए किसानों को कीट प्रबंधन सलाह जारी की जा रही है। अब तक, किसानों के लाभ के लिए एनपीएसएस के माध्यम से पाँच भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, पंजाबी और ओड़िया में 10713 कीट प्रबंधन सलाह जारी की जा चुकी हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय अपने केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्रों (सीआईपीएमसी), कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और राज्य कृषि विभागों के माध्यम से किसानों, राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों और विस्तार कर्मचारियों के बीच कीट पहचान और कीटनाशकों के उपयोग सहित रोग प्रबंधन के लिए एनपीएसएस के उपयोग के बारे में जागरूकता सृजित करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करता है।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र (सीआईपीएमसी), हैदराबाद ने तेलंगाना राज्य के सभी जिलों में एनपीएसएस के उपयोग पर 32 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और किसानों को स्थानीय भाषा (तेलुगु) में एनपीएसएस पर बुकलेट वितरित की गई। तेलंगाना सरकार के राज्य कृषि विभाग द्वारा एनपीएसएस पर "रायथु नेस्थम" नामक वीडियो कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें किसान और कृषि अधिकारी उपस्थित थे और 1,034 रायथु वेदिकाओं ने एनपीएसएस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

*****